www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 39 | जौनपुर, गुरूवार, 24 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कर्नाटक विधानसभा सत्र सूखे पर चर्चा के लिए बढ़ाया गया

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य में बिगड़ती सूखे की स्थिति पर विस्तृत चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 200 से अधिक तालुकों में भीषण सूखे की स्थिति है और हालात गंभीर हो गए हैं। शिवकुमार ने कहा कि राज्य में सूखे की तीव्रता बढ़ गई है। 200 से अधिक तालुक भीषण सूखे से प्रभावित हैं और स्थिति गंभीर है। इसलिए, सूखे पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि विधायक और जन प्रतिनिधि सूखे की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री और उपमुख्यमंत्री कार्यवाही के दौरान विधायकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और सुझावों का आधिकारिक रूप से जवाब देंगे।सरकारी नीतियां पढ़ें दिल्ली में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के प्रस्ताव पर शिवकुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस कदम पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि सूखे से राहत और केंद्र से सहायता पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली भेजने का निर्णय लिया गया है। सभी दलों के नेताओं ने इस पर सहमति जताई है।इस बीच, शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों में सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है।

यात्रियों ने चालक को दी थी जलने की बदबू आने की सूचना

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी)। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात हुए भीषण बस अग्निकांड में अब तक 9 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर में बस चालक और परिचालक पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। एक यात्री की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में दावा किया गया है कि आग लगने से कुछ समय पहले ही बस के अंदर जलने जैसी तेज बदबू आ रही थी और यात्रियों ने चालक–परिचालक को इसकी जानकारी भी दी थी।आरोप है कि शिकायत के बावजूद बस को रोका नहीं गया और स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया गया। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, हमीरपुर जिले के राठ थाना क्षेत्र के मोहाल खुशीपुरा निवासी सुनील कुमार पुत्र बदीप्रसाद दिल्ली के कश्मीरी गेट से राज कल्पना ट्रेवल्स की बस में सवार हुए थे। बस में करीब 30 से 35 यात्री सवार बताए गए हैं। यात्री के अनुसार, बुधवार देर रात बस नोएडा से आगरा जाने वाले मार्ग पर यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 33 के पास पहुंची थी। इसी दौरान बस के ड्राइवर केबिन की तरफ से जलने जैसी बदबू आने लगी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बस में सवार कुछ यात्रियों ने चालक और परिचालक को इस बारे में बताया।

सीएम योगी ने किया मुआवजे का ऐलान, मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख की मदद

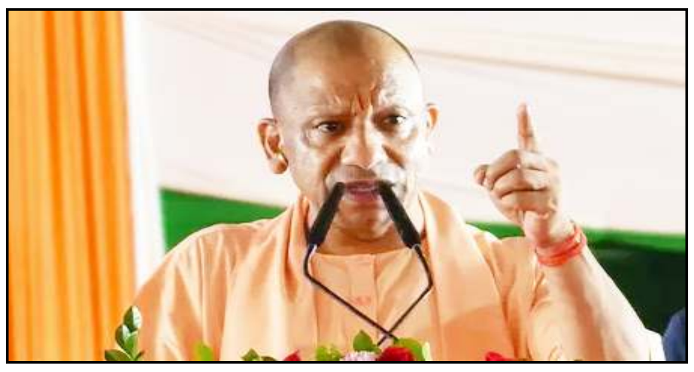

लखनऊ, (संवाददाता)। यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण बस हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। सीएम ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2–2 लाख रुपए और घायलों को 50–50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। यह हादसा 23ध्24 सितंबर की देर रात जेवर थाना क्षेत्र में हुआ। दिल्ली के कश्मीरी गेट से महोबा जा रही बस संख्या बीआर32पीए8647 में 33 किलोमीटर माइलस्टोन के पास अचानक आग लग गई। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे।सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी, स्थानीय पुलिस बल, रेस्क्यू टेंडर, जेवर टोल पर मौजूद फायर टेंडर, अन्य 4 फायर टेंडर और फायर सर्विस यूनिट ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि कुल 30 लोगों को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचाया। हालांकि बस के अंदर धुएं के बीच जांच करने पर 9 व्यक्ति जलने और दम घुटने के कारण मृत अवस्था में मिले।प्रारंभिक जांच में पुलिस के मुताबिक, बस के एसी में स्पार्क या ब्लास्ट होने से इंजन के लुब्रिकेंट ऑयल में आग लग गई और देखते ही देखते पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। बस डबल डेकर थी और बस के ऊपर भारी मात्रा में लगेज रखकर चलने की भी बात कही जा रही है, जो आग लगने का एक कारण हो सकता है। हालांकि आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी हैं। पुलिस ने इस मामले में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। बस के चालक और परिचालक को हिरासत में लिया गया है।

जमुई–समस्तीपुर पर चिराग ने बढ़ाई सम्राट की मुश्किल, बिहार सरकार से कर दी बड़ी मांग

बिहार (एजेंसी)। बिहार के जमुई और समस्तीपुर में लड़कियों के साथ हुई छेड़छाड़ और अभद्रता के मामलों में घिरी राज्य सरकार और सीएम सम्राट चौधरी पर अब सहयोगी भी सवाल उठा रहे हैं. राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक ओर जहां सम्राट से इस्तीफा मांगा है तो वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी सरकार को घेरा है. चिराग पासवान ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि बिहार में जमुई के बाद अब समस्तीपुर में जो छेड़खानी की घटना सामने आई है वो बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है. अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि सरेआम बच्चियों के साथ अमानवीय व्यवहार कर रहे है , ये हम सभी के लिए चिंता का विषय है. जब सरेआम बच्चियों के साथ ऐसी हरकतें होने लगें, तो यह कानून–व्यवस्था और प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है. उन्होंने लिखा कि इस मामले में 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है. लेकिन कार्रवाई यहीं नहीं रुकनी चाहिए. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मांग करता हूं कि इस घटना में संलिप्त हर व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए. जैसे जमुई की घटना में शामिल आरोपी का एनकाउंटर हुआ ठीक वैसे ही इस घटना के आरोपियों का भी एनकाउंटर हो ताकि अपराधियों में कानून का भय कायम हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. बता दें जमुई के बाद समस्तीपुर जिले में बाईपास सड़क पर एक युवती से तीन युवकों द्वारा कथित रूप से छेड़छाड़ करने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.।

दिशा सालियान को नहीं जानता, 500 करोड़ के मानहानि नोटिस का कोई आधार नहीं – आदित्य ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे न दिवंगत दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान द्वारा भेजे गए 500 करोड़ रुपए के मानहानि नोटिस को खारिज कर दिया। आदित्य ठाकरे ने इसे शतुच्छश बताया और दिशा सालियान को जानने से भी इनकार किया। सुप्रीम कोर्ट में अपने वकील अंशुमन सिन्हा के माध्यम से जवाब देते हुए ठाकरे ने मानहानि के सभी आरोपों का स्पष्ट खंडन किया, माफी मांगने या अपने सोशल मीडिया पोस्ट वापस लेने से इनकार कर दिया और अपने इस रुख को दोहराया कि वे शदिशा सालियान से कभी नहीं मिले और न ही उन्हें जानते हैं।शयह विवाद सतीश सालियान के वकील एडवोकेट अनुष्का सोनावाने द्वारा 17 सितंबर, 2026 को जारी किए गए नोटिस से शुरू हुआ। सालियान ने आरोप लगाया कि ठाकरे द्वारा 16 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रकाशित अंग्रेजी और मराठी पोस्ट में मानहानिकारक बातें शामिल थीं और उन्होंने सार्वजनिक माफी के साथ 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की। ठाकरे ने अपने जवाब में स्पष्ट किया कि उनकी पोस्ट में सतीश सालियान का नाम या पहचान कभी नहीं ली गई। उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया कि एक लंबे राजनीतिक और मीडिया अभियान के बारे में सामान्य टिप्पणियों में किसी पार्टी का नाम डालकर कोई कानूनी आधार नहीं बनाया जा सकता। 500 करोड़ रुपए की मांग को शझूठा, कानूनी रूप से गलत और मनमाना।

लोगों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ऊर्जा – पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि लोगों से मिलने वाला आशीर्वाद उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी लोगों के इसी आशीर्वाद के सहारे आगे बढ़ी है। पीएम मोदी ने यह बात गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक निकाली जा रही 'सेवा संकल्प यात्रा' में शामिल प्रतिभागियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद के दौरान कही। कार्यक्रम में यात्रा से जुड़े प्रतिभागी मध्य प्रदेश के देवास में मौजूद थे।यह संवाद ऐसे समय हुआ है जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने 23 सितंबर को कहा था कि समेत उसके फैसले पूर्ण आयोग के सर्वसम्मत निर्णय हैं।मोदी ने 'सेवा यात्रियों' से लोगों की सेवा को अपना मुख्य उद्देश्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, राजनीति और शासन का मूल भाव सेवा से जुड़ा रहना चाहिए।पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात से दिल्ली तक सेवा उनकी शासन व्यवस्था और संस्कारों का मूल भाव रही है। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब शासन के केंद्र में सेवा होती है, तो नीतियों के केंद्र में नागरिक होते हैं।उन्होंने कहा कि राजनीतिक पद या सत्ता का स्तर चाहे जितना ऊंचा हो, सेवा के रास्ते से विचलित नहीं होना चाहिए। 'सेवा संकल्प' से जुड़े कार्यक्रमों में भी सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इसके तहत सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान को 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाने की जानकारी भी आधिकारिक स्तर पर दी गई है। प्रधानमंत्री के ताजा संबोधन में चुनावी राजनीति के बीच सेवा, जनभागीदारी और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखा गया। वहीं, चुनाव आयोग को लेकर राजनीतिक बहस और आरोप–प्रत्यारोप अलग से जारी हैं।

महिला एसओ आशा शुक्ला व महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने महिला थाना परिसर मे चलाया जागरूकता अभियान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।महिला थाना अयोध्या की ओर से गुरुवार को बहु–बेटी सम्मेलन एवं मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौर एवं महिला कांस्टेबल ईशा यादव ने थाने पर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सरकारी योजनाओं तथा महिला अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी।अभियान के दौरान महिलाओं को विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और सुकन्या योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसकी रोकथाम के उपायों के प्रति भी जागरूक किया गया। महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित विभागों से सहायता लेने के लिए 1090 विमेन पावर लाइन, 112 यूपी पुलिस, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। महिला अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया।इसके साथ ही शासन की मंशा के अनुरूप सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के संबंध में आसपास के विद्यालयों में पहुंचकर छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया।पुलिस टीम ने बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सजग रहने और किसी भी समस्या की स्थिति में बिना झिझक पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ–साथ उन्हें अपने अधिकारों, सरकारी योजनाओं और उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी देना है।

उज्जैन सिंहस्थ में स्काउट गाइड के 15 हजार प्रशिक्षित स्वयंसेवक देंगे सेवाएं – सीएम मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में उज्जैन के सिंहस्थ में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, इसके लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं और स्काउट एवं गाइड के 15 हजार स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर सेवा में लगाया जाएगा।सिटी गाइड खोजें सीएम मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ–2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत् प्रशिक्षण के लिए भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित सिंहस्थ कराना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ–2028 सेवा–भाव, प्रबंधन क्षमता और सुशासन की व्यापक परीक्षा भी होगा। सबको सेवा के लिए, किसी भी चुनौती और अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए हमेशा की तरह तैयार रहना होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 25 सितंबर को जयपुर पहुंचेंगे

जयपुर, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत के बाद विजयी पार्षदों और जन प्रतिनिधियों के अभिनंदन समारोह सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 25 सितंबर को जयपुर पहुंचेंगे। राजनीति भाजपा के प्रदेश महासचिव श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि नवीन अपने दिन की शुरुआत जयपुर के अल्बर्ट हॉल में सुबह 7रू30 बजे स्वच्छता सेवा कार्यक्रम से करेंगे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पार्टी के सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है।बगड़ी ने आगे बताया कि 25 सितंबर को एकात्मा मानव दर्शन के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भी है। उनकी जयंती के उपलक्ष्य में सुबह 11:00 बजे बगड़ी के दादिया गांव में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हाल ही में संपन्न हुए नगर पालिका चुनावों में विजयी हुए भाजपा पार्षदों और उम्मीदवारों के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। जन प्रतिनिधियों, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों और लगभग 50,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के उपस्थित रहने की उम्मीद है। नवीन सभा को संबोधित करेंगे और दादिया से भाजपा के पंचायत चुनाव अभियान की शुरुआत भी करेंगे।बगड़ी ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य महासचिव (संगठन) अजय कुमार सहित राज्य के प्रमुख नेता सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे।

इंदिरा नगर में कई जगहों पर स्ट्रीट लाइट न जलने से किसी अनहोनी घटना से डरे सहमे रहते है लोग,संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी साधे है चुप्पी

(दीपक श्रीवास्तव
ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ।राजधानी के इंदिरा नगर क्षेत्र में कई प्रमुख मार्ग इन दिनों रात में घने अंधेरे में डूबा रहता है। सड़क के कई हिस्सों में स्ट्रीट लाइटें खराब होने अथवा रोशनी नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों,राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।अंधेरे के कारण दुर्घटना के साथ ही आपराधिक घटनाओं की आशंका को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है।इस रास्ते पर रात करीब 9:30 बजे कई स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं दिखाई देती।आसपास स्ट्रीट लाइटें जलती हैं, लेकिन इसके बाद करीब 500 मीटर या उससे अधिक दूरी तक सड़क पर अंधेरा छाया रहता है।काफी आगे जाने के बाद ही दोबारा स्ट्रीट लाइट की रोशनी दिखाई देती है। बताते चले कि यह मार्ग आसपास के कई मोहल्लों और कॉलोनियों को जोड़ता है और रोजाना बड़ी संख्या में लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।दिन के समय आवागमन सामान्य रहता है, लेकिन रात होते ही सड़क पर अंधेरा और जगह–जगह खराब सड़क की स्थिति राहगीरों के लिए परेशानी बढ़ा देती है।अंधेरे में गड्ढे और सड़क की स्थिति स्पष्ट दिखाई नहीं देने से दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।रात के समय इस मार्ग से गुजरने वाली महिलाओं,छात्राओं और अन्य लोगों को अंधेरे के कारण असुरक्षा का एहसास होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त स्ट्रीट लाइट होने से न केवल आवागमन सुरक्षित होगा, बल्कि सड़क पर होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी।स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों और क्षेत्रीय पार्षद से मार्ग पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने तथा जहां जरूरत है वहां नई लाइटें लगाने की मांग की है।लोगों का कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी होने के बावजूद जिम्मेदार विभाग और जन प्रतिनिधि इस ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रहे हैं।अब देखना यह है कि संबंधित विभाग कब तक इस अंधेरे को दूर कर लोगों को सुरक्षित और रोशन रास्ता उपलब्ध कराता है।

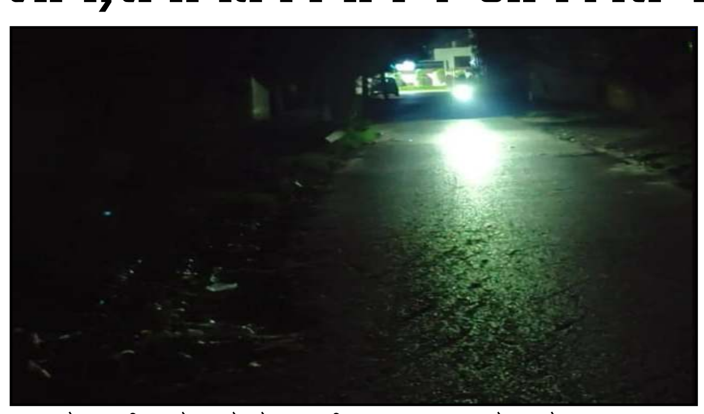

संपादकीय

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? फॉरेन करेंसी नॉन–रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर–बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार–चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा। मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है। इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बढ़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशा जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए!

रियल–टाइम मॉनिटरिंग से वित्तीय अनुशासन और नकदी प्रबंधन होगा मजबूत

सुनील त्रिपाठी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस–एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है। एस–एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस–एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस–एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग–अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक और परिणामोन्मुख बनाएगा मॉडल वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस–एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस–एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस–एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागारध्ई–कोष से एस–एसएनए खाते तक होगी। इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरित करने के बजाय उनके लिए निर्धारित व्यय एवं आहरण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित हितग्राही या विक्रेता को राशि जारी की जाएगी। एस–एसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता के समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना की राशि पहले से अलग–अलग खातों में जमा रखने के बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि कम होगी और योजनाओं की निधि का लगभग शून्य निष्क्रिय शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहायक खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा गैर–प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखंड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा। वास्तविक समय की निगरानी से बढ़ेगी पारदर्शिता एस–एसएनए मॉडल से योजनाओं में निधि प्रवाह और व्यय की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। विभागों को उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा, वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। डिजिटल प्रणाली में निर्माता–जांचकर्ता आधारित लेखा–परीक्षण अभिलेख होने से वित्तीय लेन–देन की निगरानी मजबूत होगी। इससे सरकारी राशि के दुरुपयोग, अनधिकृत भुगतान और बैंकिंग धोखाधड़ी की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डिजिटल लेखा–परीक्षण अभिलेख और वास्तविक समय की निगरानी से प्रत्येक स्तर पर निधि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के कूटनीतिक मायने

कमलेश

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर 23 से 25 सितंबर 2026 तक अमेरिका की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। शी जिनपिंग 23 सितंबर को वाशिंगटन पहुंचेंगे। उनका यह दौरा

25 सितंबर को समाप्त होगा, जिसके बाद उनकी वापसी होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच शिखर वार्ता होगी, जिसमें व्यापार, टैरिफ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा वैश्विक भू–राजनीति और दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शी जिनपिंग का स्वागत करने और स्टेट डिनर देने के फैसले से साफ है कि दोनों महाशक्तियां तनाव को कम कर नए तालमेल की ओर बढ़ना चाहती हैं। लिहाजा इस यात्रा पर पूरी दुनिया के कूटनीतिज्ञों की नजर होगी। इस पर रूस और भारत की खास नजर बनी रहेगी, क्योंकि अमेरिका चाहेगा कि रूस और भारत से प्रगाढ़ हो रहे चीन के रिश्तों में कुछ खलल पैदा किया जाए। चूंकि अमेरिका ने सोवियत संघ और भारत के खिलाफ चीन को रणनीतिक मजबूती दी थी, लेकिन बाद में भी उसकी भूल साबित हुई। चीन को काबू में रखने के लिए अमेरिका ने भारत को शह दिया, लेकिन यहां भी उसका दांव उल्टा पड़ गया। इसलिए अमेरिका अब रूस और चीन से वन टू वन, और फिर जी–3 के माध्यम से बातचीत करने को उतावला है ताकि भारत, जापान, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ईरान जैसे महत्वाकांक्षी देशों को काबू में रखा जा सके। लेकिन यदि चीन व्यवहारिक कूटनीति को छोड़कर अमेरिकी मायाजाल में फंसता है तो फिर कहीं का नहीं रहेगा, क्योंकि भारत और रूस की समझदारी इतनी परिपक्व व मजबूत है कि उन्हें आंख दिखाने वाले उसी अंतर्राष्ट्रीय फजीहत को प्राप्त करेंगे, जैसा कि अभी अमेरिका भुगत रहा है। एक, व्यापार युद्ध और टैरिफ में संतुलनरू अमेरिका द्वारा चीनी सामानों पर अत्यधिक टैरिफ और निर्यात प्रतिबंधा लगाने के बावजूद चीन ने रेयर अर्थ खनिजों और महत्वपूर्ण तकनीकों की सप्लाई रोककर कड़ा रुख अपनाया। इस यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य नए व्यापारिक समझौते की रूपरेखा तैयार करना और दोनों देशों के बीच जारी आर्थिक/यापारिक तनाव को कम करना है। दो, रेयर अर्थ और ।ए की होड़रू स्मार्टफोन, रक्षा सामग्री, इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए आवश्यक रेयर अर्थ खनिजों की वैश्विक आपूर्ति पर चीन का नियंत्रण है। अमेरिका अपनी सप्लाई चेन को सुरक्षित रखना चाहता है, जबकि चीन अमेरिका द्वारा सेमीकंडक्टरधचिप तकनीक पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील चाहता है। तीन, वैश्विक स्थिरता और मध्य–पूर्व संकटरू दुनिया के दो बड़े नेताओं का मिलना वैश्विक बाजारों और अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संदेश देता है। वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव और रणनीतिक समुद्री रास्तों को सुचारू रखने जैसे मुद्दों पर दोनों देश कूटनीतिक सहयोग की गुंजाइश तलाश रहे हैं। चार, ताइवान और क्षेत्रीय सुरक्षारू चीन हमेशा से ताइवान पर अपने संप्रभु अधिकारों का दावा करता आया है। इस बैठक में अमेरिकी हथियारों की ताइवान को बिक्री पर चर्चा हो सकती है। बीजिंग इस मंच का इस्तेमाल अमेरिका को ताइवान के मामले में हस्तक्षेप कम करने का कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए करेगा। व्यापार में अमेरिकी सोयाबीन व कृषि उत्पादों की बिक्री व बाजार पहुंच पर डील करेगा, जबकि चीन टैरिफ दरों में कमी और आर्थिक स्थिरता पर जोर देगा। तकनीक में अमेरिका और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाए रखना चाहेगा, जबकि चीन अमेरिकी टेक एक्सपोर्ट बैन और प्रतिबंधों से राहत चाहेगा। सप्लाई चेन में अमेरिका रेयर अर्थ मिनरल्स की बिना बाधा आपूर्ति चाहेगा, जबकि चीन वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में केंद्रीय भूमिका बनाए रखना चाहेगा। अमेरिका और चीन की यह द्विपक्षीय बातचीत और श्प्रबंधित प्रतिस्पर्धाश की दिशा में कदम भारत और रूस के रणनीतिक और आर्थिक हितों पर गहरा प्रभाव डालते हैं, एक, सामरिक दबाव रू भारत के लिए अमेरिका–चीन का संबंध एक दोधारी तलवार है। यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक या रणनीतिक सहमति बनती है, तो भारत को डर रहता है कि अमेरिका इंडो–पैसिफिक रीजन में चीन के खिलाफ उतनी सख्ती नहीं दिखाएगा, जितनी भारत अपनी सुरक्षा के लिए चाहता है। दो, क्वाड का भविष्यरू यदि ट्रंप–शी वार्ता से दोनों देशों के बीच तनाव कम होता है, तो श्क्वाडश (अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया) का जो सैन्य और रणनीतिक जोर चीन को घेरने पर था, वह थोड़ा सुस्त पड़ सकता है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक गतिरोध कम होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जो विकल्प भारत (डांम पद प्दकपं) के रूप में उभर रहा था, उस गति पर असर पड़ सकता है। हालांकि, अमेरिका–चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा बनी रहने के कारण भारत को टेकध्सेमीकंडक्टर निर्माण में फायदा मिलता रहेगा। चार, भारत को वैश्विक बाजार और तेल की कीमतों में स्थिरता का लाभ मिलता है जबकि चीन के खिलाफ अमेरिका का कड़ा समर्थन कम होने और ट्रेड में दबाव का जोखिम बना रहेगा। एक, चीन पर बढ़ती निर्भरतारू रूस और चीन वर्तमान में ष्असीमित साझेदारीष में हैं। लेकिन यदि चीन और अमेरिका अपने आर्थिक रिश्तों को सुधार लेते हैं, तो रूस को डर रहेगा कि चीन अमेरिकी प्रतिबंधों के दबाव में आकर रूस को मिलने वाली आर्थिक और तकनीकी मदद को सीमित कर सकता है। अमेरिका–चीन शिखर वार्ता में यदि रूस–यूक्रेन संघर्ष या वैश्विक प्रतिबंधों पर कोई गुप्त सहमति बनती है, तो मॉस्को के लिए पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के रास्ते (जैसे चीन के जरिए व्यापार) कठिन हो सकते हैं। रूस नहीं चाहता कि अमेरिका और चीन इतने करीब आ जाएं कि दुनिया में फिर से अमेरिका–चीन की ष्ळ2ष (दो महाशक्तियों का प्रभुत्व) वाली व्यवस्था स्थापित हो जाए, क्योंकि इससे रूस का वैश्विक वजन कम होता है। चार, रूस को चीन से आर्थिक व्यापार जारी रहने की उम्मीद रहेगी। जबकि चीन द्वारा अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से रूस को दी जाने वाली मदद सीमित करने का जोखिम बना रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र

अमेरिका–ईरान युद्ध हो या फिर रुस यूक्रेन युद्ध और इसी तरह दुनिया के देशों के सामने आ रही गंभीर समस्याओं के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के देश ईंधन की समस्या से दो चार हो रहे हैं। शक्तिशाली देशों के दादागिरी चरम पर पहुंचती जा रही है। आज हार्मुज का रास्ता बंद है तो अन्य वैकल्पिक रास्तों पर भी अवरोध आ रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों की समस्याओं के प्रति कोई गंभीर नहीं है। पेट्रोल पदार्थों और एलपीजी की आवाजाही प्रभावित होने से ईंधन के भावों में बेतहासा बढ़ोतरी हो रही है। ऊर्जा संकट हो रहा है। आवागमन के साधनों का प्रमुख माध्यम पेट्रोल–डीजल आदि है और उनकी उपलब्धता पर पड़ रहे असर के कारण सभी देशों में सीधे आमजन प्रभावित हो रहे हैं। आखिर ऐसे समय में ही संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पर जो तस्वीर सामने आ रही हैं वह साफ है कि युद्ध करने वाले देशों पर दबाव ड़ालने की स्थिति में ना तो कोई वैश्विक संस्था रह गई है और ना ही कोई सर्वमान्य वैश्विक नेता। आखिर यह कोई एक दिन का पराभव तो नहीं हैं बल्कि देखा जाएं तो संयुक्त राष्ट्र को तो योजनाबद्ध तरीके से शक्तिहीन किया गया है। अमेरिका जैसे देशों द्वारा बिना बजह फण्डिंग बाधित या कम की जाती है तो वीटो पॉवर स्वयं में नकारात्मक भूमिका में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए सदस्यों के प्रवेश को टाला जा रहा है तो इसे पंगु बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोविड के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ ने सकारात्मक भूमिका निभाई। देशों के बीच परस्पर सहयोग व समन्वय का परिणाम यह रहा कि दुनिया के देश कोविड वैश्विक संकट से मुकाबला करने में सफल रहे। खैर पर दुनिया के देशों के बीच युद्ध, युद्ध के हालात और तनाव की स्थिति को कम करने में संयुक्त राष्ट्र संघ पूरी तरह विफल रहा है। इस विफलता के कारणों का अलग से विश्लेषण किया जा सकता है। पर एक बात साफ है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ पर समग्र रुप से देखा जाएं तो भरोसा 57 प्रतिशत ही रह गया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति नकारात्मक विचार रखने वालों का प्रतिशत 37 प्रतिशत ही है। भरोसे के यह आंकड़ें अगस्त 26 के ही हैं और यह प्यू रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में सामने आये हैं। दुनिया के देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ पर सबसे कम भरोसा करने वाला देश इजरायल है। इजरायल के 79 प्रतिशत लोग संयुक्त राष्ट्र संघ पर भरोसा नहीं रखते। इजरायल ही क्या जापान, तुर्की, पाकिस्तान, ग्रीस, फिलिस्तीनी क्षेत्र के देश आदि ऐसे देष है जो यूएन पर भरोसे के मामले में लकारात्मक सोच रखते हैं। हांलाकि कनाड़ा, अमेरिका, नाइजीरिया, अधिकांश योरोपीय देश, घाना, केन्या व अधिकांश एशिया प्रशांत के देशों का भरोसा अधिक है। यह देश संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति सोच सकारात्मक रखते हैं। नाइजीरिया, फ्रांस यहां तक कि अमेरिका आदि में संयुक्त राष्ट् के प्रति सकारात्मकता में अच्छी खासी गिरावट देखने को मिली है। दुनिया के देशों में एकमात्र श्रीलका ऐसा देश है जहां संयुक्त राष्ट् संघ के प्रति भरोसे में बढ़ोतरी देखी गई है। सौ टके का सवाल यह है कि आज यूएन दुनिया के देशों के बीच संघर्ष या तनाव कम करने में निर्णायक भूमिका नहीं निभा पा रहा है। अमेरिका–ईरान या रुस–यूक्रेन युद्ध सबके सामने है। यह कोई दो देशों के बीच युद्ध नहीं है अपितु इन युद्धों की आंच दुनिया के अधिकांश देशों पर किसी ना किसी रुप में पहुंच रही है। आज वर्चस्व सिद्ध करने या दादागिरी ही एक मात्र ध्येय रह गया है। पर रुस और अमेरिका अभी भी यह नहीं समझ पा रहे कि युद्धारंभ से पहले चंद घंटों या चंद दिनों का युद्ध समझ कर जोश में आ गए थे आज हालात उनके लिए ना निगलते बन रही हैं और ना ही निगलते बन रही है। इन युद्धों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि सामने वाला देश कितना भी छोटा क्यों ना हो पर युद्ध को लंबा किसनी की क्षमता उसमें हैं। अमेरिका इजरायल ने जब ईरान पर आक्रमण किया तब उन्होंने बहुत गाल बजाएं थे पर आज जो हालात है वह सबके सामने हैं। यही रुस यूक्रेन की बात है चंद दिनों का युद्ध कब सालों लंबा युद्ध होता जा रहा है यह सबके सामने हैं। आज संयुक्त राष्ट्र संघ प्रभावी या कारगर होता तो हालात इतने खराब नहीं होते। आज संयुक्त राष्ट्र संघ नख–दंत विहीन

संस्था रह गया है। अमेरिका सहित विकसित देश फण्डिंग में कमी कर देते हैं या रोक देते हैं तो यूएन अपने आप में इतना सक्षम नहीं है कि देशों पर दबाव बना सके। सुरक्षा परिषद का वीटो का अधिकार भी एक प्रमुख बाधा ही है। सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश को लंबे समय से रोका जा रहा है। नए सदस्य किसी को स्वीकार ही नहीं हो रहे। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन एक सकारात्मक संदेश के साथ हुआ था। समय आ गया है जब दुनिया के देशों को संयुक्त राष्ट् संघ की भूमिका नए सीरे से तय करनी होगी। यूएन को दिखावटी संस्था के स्थान पर अधिकारपूर्ण और निर्णय क्षमता युक्त संस्था बनानी होगी। लोगों में विश्वास बनाना होगा कि यूएन केवल संस्था नहीं अपितु वह अपने दायित्वों को पूरा करने और दादागिरी करने वाले देशों पर लगाम लगाने की स्थिति में हो या ना हो पर एक ऐसा भ्रम तो पैदा करने की स्थिति में हो ताकि शक्तिशाली देशों की मोनोपोली को सीमित किया जा सके।

तेल, संप्रभुता, दबाव और भारत– ट्रम्प के रूस पर प्रतिबंध

असद

सवाल यह नहीं कि भारत रूस का समर्थन करता है, बल्कि यह कि क्या कोई बड़ी शक्ति ऐसे दौर में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रख सकती है जब व्यापार, वित्त और प्रतिबंध तेजी से हथियार बनाए जा रहे हैं। ट्रम्प की टैरिफ धमकी भारत की ऊर्जा निर्भरता को अमेरिकी दबाव में बदलने की कोशिश करती है, जबकि भारत की प्रतिक्रिया इस दबाव को राजनीतिक अधीनता में बदलने से रोकने की कोशिश करती है। राजनीति समाचार शिंगटन के रूस–प्रतिबंध कानून पर भारत की चेतावनी महज टैरिफ विवाद नहीं है। यह रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और बाहरी दबाव के बिना विदेश नीति चलाने के अधिकार की रक्षा है। चीन की सतर्क प्रतिक्रिया एक बड़े मुकाबले की ओर इशारा करती हैरू एशिया के आर्थिक फैसले कौन तय करेगा, जबकि युद्ध, व्यापार और तेल आपस में जुड़ते जा रहे हैं।अमेरिका अपनी रूस नीति को आर्थिक दबाव के व्यापक हथियार में बदल रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने शलिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026य पारित किया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प को रूसी तेल–गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। यह विधेयक 262–159 मतों से पारित हुआ और रूस के ऊर्जा–रक्षा क्षेत्रों के साथ उसके श्छाया बेड़ेश को भी निशाना बनाता है, जिस पर मॉस्को को प्रतिबंधों से बचने में मदद करने का आरोप है।भारत के लिए असली मुद्दा यह नहीं कि दंडात्मक टैरिफ रूसी तेल को महंगा बना देगा, बल्कि यह कि क्या वाशिंगटन नई दिल्ली की ऊर्जा और विदेश नीति की शर्तें तय कर सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित उपाय द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, साथ ही भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए श्सभी आवश्यक कध्दमय उठाएगा। सरकारी नीतियां पढ़ें यह भाषा सोच–समझकर चुनी गई है। नई दिल्ली ने, न तो जवाबी कार्रवाई की धमकी दी, न वाशिंगटन से बातचीत नकारी, बल्कि इस विवाद को संप्रभुता के दायरे में रखा। भारत का तर्क है कि वह राष्ट्रीय जरूरतों, बाजार हालात और आपूर्ति की उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता है, न कि यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन के रूप में। इसका एक पुराना सिद्धांत भी है रू किसी दूसरे देश के प्रतिबंधों को उसके अधिकार–क्षेत्र से बाहर स्वतरू स्वीकार नहीं किया जाएगा।इस दृढ़ प्रतिक्रिया के पीछे आर्थिक हित हैं। वित्त वर्ष 2026 में रूस भारत के तेल आयात का लगभग 30.3 प्रतिशत आपूर्ति करता रहा, जिसकी कधीमत लगभग 40.8 अरब डॉलर थी। जुलाई में रूसी आपूर्ति भारत के आयातित तेल के आधे से अधिक तक पहुंच गई, जो अमीरात, सऊदी अरब, वेनेजुएला, ब्राजील, ओमान और अमेरिका की कुल आपूर्ति से भी अधिक थी। यह निर्भरता केवल व्यावसायिक नहीं है। रूसी तेल ने भारतीय रिफाइनरियों को ऐसे समय में रियायती दरों पर तेल हासिल करने में मदद दी है जब मध्य–पूर्व में संघर्ष, आपूर्ति में व्यवधान और अस्थिरता बनी हुई है।रूसी आपूर्ति की जगह लेना न तुरंत संभव होगा, न बिना कधीमत के। भारत सऊदी अरब, इराकध्, अमीरात, अमेरिका, ब्राजील या वेनेजुएला से अधिक तेल खरीद सकता है, पर वैकल्पिक खेप महंगी या कम भरोसेमंद हो सकती है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी अहम ऊर्जा गलियारा है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने कधीमतों और शिपिंग बीमा की अनिश्चितता बढ़ा दी है। रूसी आयात में जबरन कमी भारत में ईंधन, परिवहन और औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ा सकती है। इसका असर तेल बाजार से भी आगे जाएगा। भारतीय निर्यातक पहले से अमेरिकी व्यापारिक कध्दमों के सामने कमजोर हैं। 100 प्रतिशत टैरिफ कई भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहने देगा, जिससे टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, दवाइयों, रसायनों और छोटे उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। इसका झटका रोजगार और निर्यात आय कमजोर कर सकता है और व्यापार वार्ता और जटिल बना सकता है, यही वजह है कि विश्लेषक इसे भारत के खिलाफ सौदेबाजी का हथियार भी मानते हैं। यहीं ट्रम्प का पहलू महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रम्प टैरिफ को व्यापारिक संरक्षण से ज्यादा दबाव का साधन मानते हैं। उनका प्रशासन इसे घरेलू स्तर पर रूस के युद्ध को वित्तीय मदद देने वाली सरकारों को दंडित करने के तरीके के रूप में पेश कर सकता है, जबकि भारत के खिलाफ धमकी का इस्तेमाल व्यापार, बाजार पहुंच और ऊर्जा खरीद से जुड़ी रियायतें हासिल करने के लिए कर सकता है। यह कधनून वार्ता के मकध्सद को भी पूरा कर सकता है। भारत–अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, पर टैरिफ, कृषि पहुंच, औद्योगिक संरक्षण और नियामक मानकों पर मतभेद बने हुए हैं। सख्ध्त टैरिफ की धमकी ऐसा माहौल बनाती है जिसमें नई दिल्ली पर कम अनुकूल शर्तों पर समझौता स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। भारतीय विश्लेषकों के अनुसार रूस का मुद्दा भारत को अ समान व्यापार समझौते के लिए मजबूर करने का बहाना बन सकता है। ट्रम्प की गणना घरेलू राजनीति से भी प्रभावित हो सकती है। रूस के खिलाफ सख्ध्ती उन सांसदों को पसंद है जो यूक्रेन युद्ध पर एक कड़ा रुख चाहते हैं, जबकि टैरिफ उन मतदाताओं को भाते हैं जो व्यापारिक दबाव को अमेरिकी उद्योग की रक्षा का जरिया मानते हैं। प्रतिबंधों और टैरिफ को मिलाकर प्रशासन को लचीला हथियार मिल जाता हैरू अधिकतम दंड की धमकी, बिना अनिवार्य अमल के, जबकि बातचीत की गुंजाइश भी बनी रहती है। राजनीति समाचार हालांकि इस नीति में एक विरोधाभास है। यदि अमेरिका वाकध्ई रूस की तेल आय कम करना चाहता है, तो भारत को रूसी तेल छोड़ने पर मजबूर करना वैश्विक आपूर्ति में बाधा डाल सकता है और कधीमतें बढ़ा सकता है। भारतीय रिफाइनरियां रूसी तेल की इकलौती खरीदार नहीं हैं, और यह तेल आसानी से दूसरे नेटवर्क से बिक सकता है। वैश्विक कधीमतों में बढ़ोतरी मॉस्को की प्रति बैरल आय बढ़ा सकती है, भले ही निर्यात मात्रा घटे। यह धमकी रूस को निर्णायक रूप से कमजोर किए बिना अमेरिकी सहयोगियों और उपभोक्ताओं को नुकध्सान पहुंचा सकती है। चीन की प्रतिक्रिया इस संकट में एक और परत जोड़ती है। बीजिंग भारत से कहीं बड़ा रूसी ऊर्जा खरीदार है, फिर भी चीनी टिप्पणियां खुले टकराव के बजाय सतर्क रही हैंकृएक सोची–समझी रणनीति के तहत। चीन वाशिंगटन को व्यापक व्यापारिक टकराव का आसान बहाना नहीं देना चाहता, खासकर जब उसकी अर्थव्यवस्था पहले से अमेरिकी टैरिफ और तकनीकी प्रतिबंधों की चपेट में है। साथ ही, बीजिंग यह स्वीकार करने की संभावना नहीं रखता कि वाशिंगटन तय करे कि एशियाई देश किन ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं का उपयोग कर सकते हैं।चीन की सतर्कता एक रणनीतिक धैर्य का रूप भी ले सकती है। बीजिंग यह देख सकता है कि क्या अमेरिका वाकध्ई अधिकतम टैरिफ लागू करता है, क्या भारत प्रतिरोध या बातचीत करता है, और क्या यूरोपीय देशों को छूट मिलती है। कोई भी दोहरा मापदंड चीन के इस तर्क को मजबूत करेगा कि नियम–आधारित वैश्विक व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुसार चुनिंदा ढंग से लागू की जा रही है। भारत के लिए भू–राजनीतिक नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। यह विवाद भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की गति कमजोर कर सकता है, जो चीन को लेकर साझा चिंताओं और रक्षा, तकनीक व हिंद–प्रशांत सहयोग के आधार पर बढ़ी है।

राज्यसभा– विधान परिषद के चुनाव में प्रत्याशी तलाशना भाजपा के लिए चुनौती

लखनऊ, (संवाददाता)। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राज्यसभा व विधान परिषद चुनाव में भाजपा के सामने सामाजिक समीकरणों को साधने वाले चेहरे चुनने की चुनौती होगी। इसी दौरान पार्टी के सियासी कौशल और नवगठित संगठन में शामिल चेहरों के प्रभाव का भी आकलन होगा। इसलिए भाजपा का प्रत्याशी चयन पर विशेष ध्यान रहेगा। राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव की प्रकृति अलग है, मतदाता अलग हैं और जीत का गणित भी अलग है। फिर भी 2027 से पहले दोनों चुनाव भाजपा संगठनात्मक प्रबंधन के

लिए अहम पड़ाव हैं। प्रदेश भाजपा की कमान संभालने के बाद पंकज चौधरी और उनकी नई टीम के लिए यह पहला चुनाव है। इसलिए टीम में शामिल नए महामंत्रियों व पदाधिकारियों का चुनावी कौशल भी कसौटी पर होगा। माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव में विधायकों के संख्या बल और गठबंधन की एकजुटता की परीक्षा होगी। वहीं, विधान परिषद चुनाव में शिक्षक व स्नातक मतदाताओं के बीच पार्टी की पहुंच और स्थानीय संगठन की सक्रियता की थाह लगेगी। दोनों चुनाव में सपा के मुकाबले भाजपा का राजनीतिक प्रबंधन परखा जाएगा, क्योंकि पार्टी 2027 में तीसरी बार सरकार बनाने का दावा कर रही है। राज्यसभा चुनाव में आठ सीटें जीतने के लिए मौजूदा संख्या बल ही नहीं, सहयोगी दलों के विधायकों को एकजुट रखना भी जरूरी होगा। सात सीटों के बाद आठवीं सीट के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में प्रत्याशियों के चयन से लेकर सहयोगी दलों संग तालमेल और मतदान के दिन तक की रणनीति अहम होगी। खास बात यह है कि दोनों चुनावों के नतीजे विधानसभा चुनाव 2027 का सीधा पूर्वानुमान नहीं होंगे। फिर भी सभी दलों को दोनों चुनावों से चुनावी साल में संगठन की सक्रियता, सहयोगियों का साथ और अलग–अलग मतदाता समूहों तक पहुंच।

मानसून की विदाई के बीच प्रदेश में मौसम का यू-टर्न, आज से सक्रिय होगा चक्रवात, यहां होगी बारिश

लखनऊ, (संवाददाता)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे नए मौसम तंत्र से बुधवार से उत्तर प्रदेश में मौसम फिर करवट लेगा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 22 से 28 सितंबर के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने के आसार हैं। इसका असर पूर्वांचल, तराई और मध्य यूपी में ज्यादा देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह में बारिश के साथ अधिकतम तापमान में पांच से आठ डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। 25 से 27 सितंबर के बीच यूपी के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है, जबकि 26 सितंबर को पूर्वी तराई के जिलों में अति भारी बारिश की संभावना है। इधर मंगलवार को भी बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के असर से प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में मध्य क्षोभमंडल स्तर पर ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके प्रभाव से बुधवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी सितंबर के दौरान लखनऊ और आसपास के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मंगलवार को लखनऊ में दोपहर बाद आलमबाग व कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई। क्षेत्रीय मौसम

और 28 सितंबर तक इसका असर बना रह सकता है। राजधानी के मौसम में फिर से बदलाव की आहट है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में नया तंत्र सक्रिय हो रहा है। इस कारण बुधवार से 27 विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री की बढ़त के साथ 35.2 डिग्री दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान स्थिर रहते हुए 26 डिग्री रहा।

संक्षिप्त खबरें

बीबीएयू में हिंदी में रोजगार के विविध अवसरों पर व्याख्यान आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में 22 सितंबर को राजभाषा हिंदी उत्सव–2026 के अंतर्गत हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय हिंदी कार्यशाला में 'हिंदी में रोजगार के विविध अवसर, संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव और डॉ. संध्या दीक्षित भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन समिति की ओर से मुख्य वक्ता को अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत के साथ हुई।प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने हिंदी भाषा के माध्यम से उपलब्ध रोजगार के अवसरों, भाषा कौशल और रोजगार से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा और डिग्री के साथ कौशल विकास, निरंतर प्रयास और सही दिशा में कार्य करना भी आवश्यक है। उन्होंने साहित्यिक और पौराणिक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि रोजगार और जीवन संघर्ष की चुनौतियां नई नहीं हैं। प्रेमचंद, यशपाल, द्रोणाचार्य और कर्ण के उदाहरण देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिस्थितियों को चुनौती के रूप में स्वीकार करने और अपनी योग्यता व प्रतिभा को अवसर में बदलने का आह्वान किया।प्रो. शर्मा ने हिंदी के साथ भारतीय भाषाओं और बहुभाषिकता के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि टेलीविजन, सिनेमा, पर्यटन, रोजगार और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को हिंदीतर क्षेत्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की रकम से जुड़े मामले को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मामले की शुरुआती जांच में सामने आए आंकड़ों में बढ़ोतरी ने पूरे प्रकरण को और गंभीर बना दिया है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं द्वारा धर्म और मंदिर के विकास के लिए दिए गए धन की कथित हेराफेरी बेहद गंभीर और निंदनीय है।अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में इस मामले को लेकर भाजपा और उसके करीबियों की भूमिका की चर्चा हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे प्रकरण ने भाजपा की कार्यप्रणाली और सरकारी व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ जो धन मंदिर और धार्मिक कार्यों के लिए दिया, उसके दुरुपयोग की कोई भी घटना बेहद गंभीर है और इससे देश–विदेश में रहने वाले सनातन समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचती है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में यदि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के चढ़ावे की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े धन की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार तथा संबंधित संस्थाओं का दायित्व है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि इस प्रकरण के कारण भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास प्रभावित हुआ है।

वसीयत में एक अक्षर बदला तो एआई पकड़ लेगा छेड़छाड़, लविवि को मिला पेटेंट

लखनऊ, (संवाददाता)। अब वसीयत सिर्फ कागज पर लिखे शब्दों तक सीमित नहीं रहेगी। उसमें दर्ज इच्छा की सुरक्षा और सत्यापन भी तकनीक के जरिये किया जा सकेगा। यही नहीं, वसीयत में एक अक्षर बदला तो एआई इसे पकड़ लेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह, शोधार्थी वरालिका निगम और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सारांश चतुर्वेदी की टीम ने डिजिटल वसीयत की सुरक्षा और सत्यापन से जुड़ी तकनीक विकसित की है। भारत सरकार ने इसे गत 21 सितंबर को भारतीय पेटेंट संख्या 603300 प्रदान किया है। इसके लिए मार्च 2025 में आवेदन किया गया था। प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रणाली में वसीयतकर्ता लिखित दस्तावेज के साथ आवाज और वीडियो के माध्यम से भी अपनी इच्छा दर्ज कर सकेगा। तकनीक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, क्रिप्टोग्राफिक

हैश और बायोमेट्रिक सत्यापन का इस्तेमाल किया गया है। वसीयत को अंतिम रूप देने के बाद उसका क्रिप्टोग्राफिक हैश तैयार कर टाइमस्टैंप के साथ ब्लॉकचेन पर दर्ज किया जाएगा। बाद में दस्तावेज में एक अक्षर का भी बदलाव होने पर हैश बदल जाएगा और छेड़छाड़ का पता लगाया जा सकेगा। एआई आधारित तंत्र दस्तावेज की भाषा में अस्पष्टता, विरोधाभास और अधूरे विवरण की पहचान करने के साथ संबंधित कानूनी प्रावधानों से उसका मिलान करेगा।

लखनऊ पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न कानून का प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में लखनऊ कमिश्नरेट के विभिन्न थानों पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानून के प्रावधानों का प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देशन में 22 सितंबर को विशेष प्रशिक्षण शाखा की ओर से रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित संगोष्ठी सदन में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण, रोकथाम एवं निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अमित कुमावत के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध शाहिदा नसरीन के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को महिलाओं से संबंधित शिकायतों के प्रति संवेदनशील, उत्तरदायी और विधिसम्मत कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यशाला में कमिश्नरेट लखनऊ के विभिन्न थानों पर नियुक्त कुल 108 पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया।प्रशिक्षण के दौरान प्रमाणित प्रशिक्षण विशेषज्ञ तजीन फातिमा ने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण से संबंधित विधिक एवं प्रक्रियात्मक जानकारी दी। पुलिसकर्मियों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, महिलाओं की शिकायतों पर निर्धारित प्रक्रिया और समय–सीमा तथा शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक और लैंगिक समानता पर आधारित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विधिक प्रावधानों से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण में विशाखा दिशा–निर्देश, शी–बॉक्स पोर्टल, आंतरिक शिकायत समिति और स्थानीय शिकायत समिति की भूमिका एवं कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया गया। शिकायत प्राप्त होने के बाद अपनाई जाने वाली विधिक प्रक्रिया, निर्धारित समय–सीमा और शिकायतों के निस्तारण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों पर भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से बताया गया कि महिला सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देते हुए पुलिसकर्मियों को समय–समय पर महिला अपराध, विधिक प्रावधानों और संवेदनशीलता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने के आरोपी को बंथरा पुलिस ने गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा पुलिस ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 10 सितंबर 2026 को बंथरा निवासी महिला ने थाने में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि जितेंद्र सिंह ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुराचार किया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। शिकायत के आधार पर थाना बंथरा में मुकदमा संख्या 306/2026 धारा 69, 126(2), 127(2), 352, 351(3) बीएनएस और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा 3(2)(वी) के तहत जितेंद्र सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम नानमऊ, थाना बंथरा, लखनऊ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन और प्रभारी निरीक्षक बंथरा राणा राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी, मैनुअल और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी जितेंद्र सिंह को 22 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र सिंह की उम्र करीब 32 वर्ष है। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के लिए मतदान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक की पांच और खंड शिक्षक की छह सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इन 11 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। इन रिक्तियों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना 29 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर निर्धारित की गई है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा होगी, जबकि 9 अक्टूबर तक अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 23 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना 27 अक्टूबर को होगी और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 से पहले पूरी कर ली जाएगी।खंड स्नातक के जिन पांच निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होना है, उनमें लखनऊ खंड स्नातक से इंजी. अवनीश कुमार सिंह, वाराणसी खंड स्नातक से आशुतोष सिन्हा, आगरा खंड स्नातक से डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह 'गुरु जी', मेरठ खंड स्नातक से दिनेश कुमार गोयल तथा इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक से डॉ. मान सिंह यादव शामिल हैं। वहीं खंड शिक्षक की छह सीटों में लखनऊ खंड शिक्षक से उमेश द्विवेदी, वाराणसी खंड शिक्षक से लाल बिहारी यादव, ढिल्लो तथा गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक से ध्रुव कुमार त्रिपाठी निर्वाचित सदस्य हैं।

ग्रीन गैस के नाम पर एपीके फाइल भेजकर साइबर ठगी

लखनऊ, (संवाददाता)। क्राइम ब्रांच लखनऊ की ओर से ऑपरेशन डिजिटल कवच के तहत साइबर अपराध के नए तरीकों को लेकर लगातार जन–जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्रीन गैस के नाम पर मीटर या बिल अपडेट कराने के बहाने एपीके फाइल भेजकर की जा रही साइबर ठगी को लेकर आमजन को विशेष रूप से सतर्क किया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक लगातार जागरूकता और सलाह जारी किए जाने के बावजूद इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। कमिश्नरेट लखनऊ में ऐसे मामलों में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी प्रकाश में आई है। पुलिस ने नागरिकों से स्वयं सतर्क रहने के साथ परिवार, मित्रों, पड़ोसियों, आरडब्ल्यूए और परिचितों को भी इस धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करने की अपील की है।पुलिस के अनुसार साइबर अपराधी एसएमएस, फोन कॉल या व्हाट्सऐप के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं और खुद को ग्रीन गैस का प्रतिनिधि बताते हैं। मीटर या बिल अपडेट नहीं होने अथवा गैस कनेक्शन बंद किए जाने की बात कहकर तत्काल कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जाता है। इसके बाद मीटर अपडेट या ग्रीन गैस मीटर अपडेट के नाम से एपीके फाइल भेजकर उसे मोबाइल में स्थापित करने के लिए कहा जाता है। ऐसी फाइल स्थापित होने के बाद अपराधियों को मोबाइल तक दूरस्थ पहुंच मिल सकती है और बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाली जा सकती है।जांच में यह भी सामने आया है कि अपराधी ग्रीन गैस उपभोक्ताओं से संबंधित उपलब्ध जानकारी का इस्तेमाल कर उन्हें निशाना बना रहे हैं। इसी तरह की धोखाधड़ी की जानकारी आगरा के ग्रीन गैस उपभोक्ताओं के साथ भी सामने आई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति द्वारा नाम, पता अथवा ग्रीन गैस कनेक्शन से संबंधित जानकारी बता दिए जाने मात्र से उसकी पहचान को वास्तविक न माना जाए।ग्रीन गैस के नाम से कोई कॉल या संदेश प्राप्त होने पर घबराकर अथवा दबाव में आकर तत्काल कोई कार्रवाई न करें। संदेश में दिए गए मोबाइल नंबर या लिंक के बजाय स्वयं ग्रीन गैस के अधिकृत माध्यमों से जानकारी की पुष्टि करें। इसके लिए ग्रीन गैस ग्राहक सेवा नंबर 6390905003, अधिकृत जीजीएल एंगेज एप और अधिकृत ग्राहक सेवा किया जा सकता है। कंपनी की ओर से अधिकृत एसएमएस पहचान ळळस्च्छळ–‟ बताई गई है।क्राइम ब्रांच ने नागरिकों से कहा है कि किसी अज्ञात स्रोत से मिली एपीके फाइल डाउनलोड या स्थापित न करें और संदिग्ध एसएमएस या व्हाट्सऐप लिंक पर क्लिक न करें। मीटर या बिल अपडेट के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर भुगतान न करें। ओटीपी, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी, सीवीवी, पिन अथवा बैंकिंग संबंधी कोई जानकारी किसी से साझा न करें। किसी अनजान व्यक्ति को मोबाइल की स्क्रीन साझा करने या दूरस्थ पहुंच देने से भी बचें। गैस कनेक्शन बंद किए जाने की धमकी अथवा किसी अन्य दबाव में आकर तत्काल निर्णय न लें।पुलिस ने लोगों से संदिग्ध कॉल या संदेश की जानकारी अधिकृत ग्राहक सेवा, अधिकृत एप या ईमेल के माध्यम से स्वयं सत्यापित करने की अपील की है। संदिग्ध एपीके फाइल या लिंक को आगे प्रसारित न करें और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों सहित परिवार एवं परिचितों को इस धोखाधड़ी के बारे में जागरूक करें। संदिग्ध साइबर गतिविधि की सूचना क्राइम ब्रांच संगठित अपराध हेल्पलाइन 7839861034 पर दी जा सकती है। आर्थिक साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करने की अपील की गई है।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने ग्रीन गैस कंपनी के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक उपभोक्ता जागरूकता अभियान शुरू करने की बात कही है। ग्रीन गैस कनेक्शन वाले क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए के साथ स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, समय–समय पर उपभोक्ताओं को सामूहिक संदेश भेजकर जानकारी देने तथा आवासीय क्षेत्रों में उद्घोषणा के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित करने की योजना है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने मध्य कमान का किया दौरा, ऑपरेशनल तैयारी का लिया जायजा

लखनऊ, (संवाददाता)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने मंगलवार को मुख्यालय मध्य कमान का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान ऑपरेशनल तैयारी और लॉजिस्टिक्स क्षमताओं का गहन जायजा लिया। यह दौरा बदलते सुरक्षा माहौल के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जनरल सुब्रमणि

ने सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता से मुलाकात की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी विस्तृत चर्चा की। इस चर्चा में ऑपरेशनल तैयारी और क्षमता विकास जैसे अहम मुद्दे शामिल थे। बदलते सुरक्षा माहौल पर भी विशेष ध्यान दिया गया। सीडीएस ने निर्माणाधीन नए सेंट्रल कमांड अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्हें परियोजना की प्रगति और प्रस्तावित स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी दी गई। यह अस्पताल क्षेत्र में सैन्य कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण होगा। अस्पताल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी भेंट की। इस मुलाकात में कई मामलों पर विचार–विमर्श हुआ। सशस्त्र बलों और राज्य सरकार के बीच लगातार तालमेल और सहयोग पर जोर दिया गया। इस बातचीत ने सेना और नागरिक प्रशासन के बीच करीबी तालमेल के महत्व को मजबूत किया। यह तालमेल साझा संस्थागत और विकासात्मक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

हिंदी विद्यार्थियों के पास रोजगार के कई अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में मंगलवार को हिंदी कार्यशाला आयोजित हुई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा–कौशल पर आधारित रोजगार के कई अवसर बताए। यह कार्यशाला राजभाषा हिंदी उत्सव के तहत सात दिवसीय कार्यक्रम का हिस्सा थी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के हिंदी विभाग

के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने श्हिंदी में रोजगार के विविध अवसर, संभावनाएं एवं चुनौतियांश् विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी की पढ़ाई केवल अध्यापन या साहित्य तक सीमित नहीं है। टीवी और रेडियो में समाचार लेखन, प्रस्तुति तथा पटकथा लेखन में अवसर हैं। सिनेमा और मनोरंजन उद्योग में संवाद, पटकथा और सामग्री लेखन भी संभावित क्षेत्र हैं। डिजिटल मीडिया में सामग्री लेखन, विज्ञापन लेखन, सोशल मीडिया सामग्री, ब्लॉग और वीडियो पटकथा लेखन के अवसर बढ़े हैं। पर्यटन, विज्ञापन और निगम क्षेत्र में हिंदी सामग्री, संचार और अनुवाद से जुड़े काम किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ. बलजीत श्रीवास्तव, डॉ. संध्या दीक्षित समेत शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सदस्यों के लिए होने वाले द्विवार्षिक निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों पर वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर 2026 को समाप्त हो रहा है, जिसके मद्देनजर निर्वाचन की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी कराई जाएगी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार राज्यसभा निर्वाचन के लिए 29 सितंबर 2026 को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी और 6 अक्टूबर नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि 9 अक्टूबर तक अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यदि आवश्यक हुआ तो 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि मतदान 16 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। आयोग के कार्यक्रम के अनुसार पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 19 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण कर ली जाएगी।उत्तर प्रदेश की जिन 10 राज्यसभा सीटों के लिए सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त होने वाला है, उनमें अरुण सिंह, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, नीरज शेखर, बृजलाल, प्रो. राम गोपाल यादव, रामजी, बी.एल. वर्मा, सीमा और हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं। इसके अलावा डॉ. दिनेश शर्मा की सीट 11 सितंबर 2026 से रिक्त है। इस प्रकार प्रदेश में राज्यसभा की कुल 10 सीटों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

एकार्थी टाइम्स ने पूरा किया एक वर्ष, पत्रकारों ने उत्साह के साथ मनाई वर्षगांठ

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका पर हुई चर्चा, समाजहित में निरंतर कार्य करने का लिया संकल्प

देश की उपासना समाचार पत्र मुम्बई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा। मुम्बई। लोकतंत्र में समाचार–पत्रों और पत्रकारिता की भूमिका समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को संबंधित विभागों एवं प्रशासन तक पहुंचाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नियमों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसी सामाजिक जिम्मेदारी और पत्रकारिता के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए एकार्थी टाइम्स ने अपने प्रकाशन का एक वर्ष पूरा किया। इस अवसर पर संस्थान से जुड़े पत्रकारों एवं सहयोगियों ने वर्षगांठ मनाई और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता को लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में रेखांकित करते हुए कहा गया कि समाचार–पत्र केवल खबरों के प्रकाशन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और शासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण सेतु भी है। जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना, संबंधित विभागों का ध्यान आकृष्ट कराना तथा सरकारी योजनाओं और नियमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना पत्रकारिता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और अवैध गतिविधियों को सामने लाकर संबंधित अधिकारियों एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना भी जिम्मेदार पत्रकारिता का अहम हिस्सा है। निष्पक्ष एवं तथ्यपरक पत्रकारिता के माध्यम से व्यवस्था को उसकी कमियों का आईना दिखाने का कार्य किया जाता है।

"समाचार–पत्र चलाना आसान नहीं" दिनेश विश्वकर्मा

एकार्थी टाइम्स के संपादक दिनेश विश्वकर्मा ने अपने पत्रकारिता के सफर को याद करते हुए कहा कि समाचार–पत्र का संचालन करना आसान कार्य नहीं है। उनके अनुसार, पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक कार्य करने के बावजूद आर्थिक चुनौतियां बनी रहती हैं।

उन्होंने बताया कि वह पिछले आठ वर्षों से विभिन्न समाचार–पत्रों एवं चौनलों के माध्यम से पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं, लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वालों को सरकारी स्तर पर मिलने वाले आर्थिक सहयोग और लाभ की स्थिति अपेक्षाकृत सीमित है। उन्होंने समाचार–पत्र के संचालन को कई बार आर्थिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण और घाटे का सौदा बताते हुए कहा कि इसके बावजूद समाज और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए। एकार्थी टाइम्स की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर पत्रकारों ने आगामी दिनों में भी जनसमस्याओं, सामाजिक सरोकारों और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने तथा तथ्यपरक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

'मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी में आयुर्वेद दिवस के तहत दूसरे दिन भी जनजागरूकता अभियान रहा जारी'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' भारत सरकार, आयुष मंत्रालय और जिलाधिकारी महोदय धर्मेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में ग्यारहवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित सप्ताहभर के जनजागरूकता कार्यक्रम दूसरे दिन भी जारी रहे। कार्यालय परिसर में चिकित्सकों ने योग और आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विचार–विमर्श किया।

वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक एवं योग विज्ञानं संसथान दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला प्रधान योग गुरु डॉ. अवधेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि योग और आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की ऐसी जीवनोपयोगी विधाएं हैं, जो शरीर, मन और व्यवहार में संतुलन स्थापित करने का मार्ग दिखाती हैं। आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोग का शमन करने पर भी समान रूप से बल देता है। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, ऋतु के अनुसार आचार–विचार, पर्याप्त नींद, स्वच्छता, संयम और सकारात्मक सोच को अपनाना आवश्यक है। डॉ त्रिपाठी ने कहा कि आयुर्वेद के सिद्धांतों का पालन करने से शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और व्यक्ति बदलती जीवनशैली से जुड़ी अनेक समस्याओं से बच सकता है। योग, प्राणायाम और ध्यान मानसिक तनाव कम करने, शारीरिक क्षमता बढ़ाने तथा जीवन में अनुशासन लाने में सहायक हैं। उन्होंने लोगों से अप्रमाणित उपचार से बचने और किसी भी औषधि का सेवन योग्य चिकित्सक की सलाह से करने की अपील की।

डॉ. त्रिपाठी ने आयुर्वेद के प्रचार–प्रसार के लिए रेडक्रॉस सोसायटी सचिव डॉ विजय जौहरी की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ जौहरी का आयुर्वेद के प्रति समर्पण छात्र जीवन से ही दिखाई देता है।

डॉ त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 1988 में अखिल भारतीय आयुर्वेद छात्र महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक रहते हुए डॉ. विजय जौहरी ने छात्रों के साथ झाँसी से दिल्ली तक 20 दिन की पदयात्रा की थी। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के लिए अलग मंत्रालय तथा उसे व्यापक पहचान और सम्मान दिलाने की मांग उठाना था। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में आयुर्वेद के प्रचार–प्रसार के लिए इतनी लंबी पदयात्रा सराहनीय प्रयास था। आज आयुष मंत्रालय के माध्यम से भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। डॉ जौहरी की प्रतिबद्धता प्रेरणादायक है। उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की थीम के संदर्भ में कहा कि आज के समय में आयुर्वेद को घर–घर तक पहुंचाना इसलिए आवश्यक है, ताकि लोग स्वस्थ जीवनशैली, रोग–निवारण और प्राकृतिक स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व को समझ सकें। आयुर्वेद के सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाकर व्यक्ति स्वयं, परिवार और समाज के स्वास्थ्य में योगदान दे सकता है। कार्यक्रम में छेत्रिय यूनानी अधिकारी कार्यालय के नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव सिंह ने योग और आयुर्वेद की उपयोगिता बताई। उन्होंने नियमित योग, संतुलित आहार, उचित दिनचर्या और पर्याप्त विश्राम को स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर जिला चिकत्सालय के डॉ राजेंद्र कुशवाहा, स्वस्थ्य विभाग के योग प्रशिक्षक गुरु मृदुल गुप्ता, अवनीश सक्सेना मुरारीलाल दीक्षित, बृजेश गुप्ता राजीव शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में रेडक्रॉस सचिव डॉ विजय जौहरी ने सबका आभार प्रकट किया ।

कचरा प्रबंधन का अध्ययन करने अयोध्या पहुंचा अल्मोड़ा नगर निगम का दल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी में स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाओं का अध्ययन करने उत्तराखंड के अल्मोड़ा नगर निगम का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को अयोध्या पहुंचा। नगर निगम कार्यालय में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने प्रतिनिधिमंडल का भगवान श्रीराम की प्रतिमा और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।अल्मोड़ा के महापौर अजय वर्मा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल में पार्षद धीरज पांडेय, राकेश पंत, प्रभारी सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल समेत नगर पालिका के अधिकारी शामिल रहे।प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या नगर निगम की ओर से संचालित विकास, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि दल ने मऊशिवाला और काशीराम कॉलोनी स्थित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर का भ्रमण किया। यहां कचरे के संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण और निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी नगर निगम के अधिकारियों से ली। अधिकारियों ने अयोध्या में कचरा प्रबंधन को लेकर अपनाई जा रही व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया।प्रतिनिधिमंडल ने श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन किया, साथ ही वैक्स म्यूजियम पहुंचकर मोम से निर्मित रामगाथा से जुड़ी प्रतिमाओं का अवलोकन किया।अल्मोड़ा के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या में स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयासों को समझने के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और उसकी सराहना की।

मेडिकल कॉलेज के सामने ओवरब्रिज के नीचे कथित अवैध निर्माण की शिकायत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।दर्शन नगर स्थित मेडिकल कॉलेज के सामने रेलवे ओवरब्रिज के नीचे कथित अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को पत्र देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि रेलवे ओवरब्रिज के नीचे विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना निर्माण कराया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।व्यापारियों ने विधायक को दिए पत्र में बताया कि निर्माण कार्य के कारण मुख्य मार्ग तथा सर्विस लेन के नीचे का रास्ता संकरा हो गया है।इससे प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों, मेडिकल कॉलेज जाने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी हो रही है। व्यापारियों ने जल निकासी और वेंटिलेशन की समस्या का भी उल्लेख किया है। उनका कहना है कि निर्माण के कारण नालियां अवरुद्ध हो गई हैं, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है। व्यापारियों ने पूर्व में भी स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने की बात कही है, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने व्यापारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर मामले की जांच और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। कहा कि मामले में तथ्यों की जांच कर उचित समाधान कराया जाएगा, ताकि स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों को परेशानी न हो।मौके पर महानगर उपाध्यक्ष हरभजन गौड़ सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। ज्ञापन देने वालों में विनय तिवारी, ज्ञानेन्द्र तिवारी बाबा, रोहित बिजलानी, विशाल यादव, संजीत सोनी, अभिषेक तिवारी, रवि तिवारी, आलोक निषाद, हरिओम गौड़, अभय सेन, अनुराग पाठक, दिव्य कुमार, विपिन मिश्रा, सत्यम गुप्ता, राहुल गुप्ता, तनवीर, रजनीश मिश्रा, हर्ष श्रीवास्तव सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में युवक की बेरहमी से हत्या, मिर्च डालकर फरसे से काटा

गोरखपुर, (संवाददाता)। कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के भगठान गांव में मंगलवार की दोपहर बाद पुराने रंजिश को लेकर एक युवक की मारपीट कर हत्या कर दी गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने शव को मेंहदावल बाईपास ओवरब्रिज के नीचे शाम लगभग 5 बजे रखकर हंगामा करना शुरु कर दिया। सूचना के बाद एएसपी, सीओ व कई थाना की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा–बुझाकर शव को जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भिजवाया। विश्वस्त जानकारों के अनुसार

कोतवाली पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में भी लिया है। जानकारी के अनुसार, भगठान गांव निवासी दयाराम व गांव के ही एक परिवार के बीच काफी लंबे समय से विवाद चल रहा था। आसपास के लोगों की मानें तो पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट व विवाद हुआ था। मंगलवार को ब्रह्मानंद यादव 35 वर्ष पुत्र दयाराम तीन बजे के बास पास बाइक से घर से गिठनी बाजार जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में विपक्षी पहले से ही सुनियोजित तरीके से घात लगाकर बैठे थे। ब्रह्मानंद के पहुंचते ही अचानक लाल मिर्च पाउडर उनकी आंख में डाल दिया, जिससे वह बाइक समेत जमीन गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने बेरहमी से लाठी डंडा, फरसा से हमला कर दिया, जिससे काफी गंभीर चोटें आई। घटना की सूचना के बाद परिजन उन्हे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत से बौखलाए लोगों ने शव को मेंहदावल बाईपास ओवर ब्रिज के नीचे रखकर जाम कर दिया।

बारिश ने खोली जल निकासी व्यवस्था की पोल,मुख्य सड़क से लेकर गणेश प्रतिमा पंडाल तक जलभराव

अयोध्या।गुरुवार को हुई झमाझम बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी।शहर के कई मोहल्लों और कॉलोनियों में जलभराव बना रहे।सबसे गंभीर स्थिति वजीरगंज क्षेत्र में अयोध्या–अंबेडकरनगर मार्ग पर दिखाई दी,जहां सड़क पर घंटों पानी भरा रहने से पूरा मार्ग तालाब में तब्दील नजर आया।बताते चले यह मार्ग अयोध्या से अंबेडकरनगर से जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है,जिस पर सुबह से देर शाम तक रोडवेज बसों के साथ छोटे–बड़े वाहन,दोपहिया वाहन और राहगीरों का आवागमन रहता है।सड़क पर पानी भरने से बताया गया कि जलभराव के बीच कई अजनबी दोपहिया वाहन चालक सड़क की स्थिति का अंदाजा न लगा पाने के कारण गिर भी गए।

गणेश प्रतिमा पंडालों के आसपास भी पानी ही पानी

बारिश का असर उन स्थानों पर भी दिखाई दिया, जहां गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के बाद गुरुवार को अंतिम दिन भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई गणेश प्रतिमा पंडालों के आसपास जलभराव होने से आयोजकों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। पंडाल तक पहुंचने के रास्ते में पानी और कीचड़ जमा होने से श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत हुई।स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की समस्या नई नहीं है।कई बार स्थानीय पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका। बारिश होते ही सड़कों और गलियों में पानी भर जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह गंभीर समस्या हर वर्ष होती है लेकिन इस पर कोई ध्यान संबंधित विभाग व पार्षद द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

'जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दूसरे दिन सुनीं 102 शिकायतें'

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' नवागत जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने जनसुनवाई के दूसरे दिन कलेक्ट्रेट में जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। जनसुनवाई के दौरान कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार एवं ।

मोमबत्तियां बना रोशन कर रहीं महिलाओं की जिंदगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिता की छोटी–सी दुकान, घर की सीमित आर्थिक स्थिति और छह भाई–बहनों की जिम्मेदारियों के बीच पढ़ाई पूरी कर आगे बढ़ने वाली शोभा चौहान ने अब अपने हुनर को रोजगार का जरिया बना लिया है। गोरखपुर की रहने वाली और देवरिया में विवाहित शोभा ने शादी और दो बच्चों की जिम्मेदारी के बीच घर से कैंडल (मोमबत्ती) और रेजिन के हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार करने का काम शुरू किया। शुरुआत भले ही छोटी थी लेकिन मेहनत और लगन से आज उनके साथ कई महिलाएं काम कर रही हैं। पढ़ाई के साथ उन्होंने कंप्यूटर और स्टेनोग्राफी का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद करीब आठ वर्षों तक डाटा एंट्री के क्षेत्र में काम किया। शोभा ने डबल एमए के साथ आईटीआई, सीसीसी और एडीसीए जैसी शैक्षणिक व तकनीकी योग्यताएं भी हासिल कीं। शादी के बाद शोभा पर परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां बढ़ गईं। दो बच्चों की मां बनने के बाद दूसरे शहर या राज्य में जाकर नौकरी करना उनके लिए आसान नहीं था। उनके पति भी रोजगार के सिलसिले में दूसरे राज्य में रहते हैं। ऐसे में उन्होंने नौकरी छोड़कर घर बैठने के बजाय घर से ही काम शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने कैंडल और रेजिन से हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार करने का काम शुरू किया। शुरुआती दौर में केवल दो लोगों के साथ काम शुरु हुआ। धीरे–धीरे उत्पादों की मांग बढ़ी और काम का दायरा भी बढ़ता गया। शोभा के साथ अब नौ महिलाएं काम कर रही हैं। उनके यहां रेजिन आर्ट, राखियां, पूजा सामग्री, नवरात्रि की चुनरी, गरबा एक्सेसरीज, गिफ्ट हैम्पर और अलग–अलग डिजाइन की कैंडल तैयार करती है। हस्तनिर्मित उत्पादों को ग्राहकों की पसंद के अनुसार तैयार करने का प्रयास किया जाता है। शोभा ने अपने कारोबार में 10 से 15 ऐसी महिलाओं को भी जोड़ा हैं, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण घर से बाहर नौकरी नहीं कर पातीं। उनका मानना है कि घर से भी छोटे स्तर पर काम शुरू करके महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। शोभा का कहना है कि उनका लक्ष्य आने वाले समय में 100 से 200 महिलाओं को अपने साथ जोड़ना है ताकि अधिक से अधिक महिलाएं घर से काम करते हुए परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे।

तिलकधारी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजन के स्थापना दिवस पर सेवा ही संकल्प कार्यक्रम अन्तगर्त दोनों इकाइयों की स्वंय सेविकाओं के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्या डॉ0 वन्दना सिंह द्वारा स्वच्छता का शपथ दिलाया गया

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2026–27 के अन्तगर्न आज राष्ट्रीय सेवा योजन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सेवा ही संकल्प कार्यक्रम के अन्तगर्त महाविद्यालय के दोनों इकाइयों की स्वंय सेविकाओं के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार कक्ष में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० वन्दना सिंह जी ने स्वंयसेविकाओं को स्वच्छता का शपथ दिलाया ,उसके पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें आयशा श्रीवास्तव, मानवी कुशवाहा काजल बिन्द, संजना, रीतु निषाद इत्यादि स्वयंसेविकाओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया, साथ ही साथ महाविद्यालय परिसर की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता का स्लोगन हम सब का एक ही नारा, स्वच्छ रहे देश हमारा व आओ फिर एक बदलाव करे, देश–का कोना–कोना साफ करें प्रयोग करते हुए बड़े मनोयोग से इस पुण्य कार्य में सहयोग किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० वन्दना सिंह, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजश्री सिंह, डॉ०निशा सिंह, डॉ० दुर्गा ,डॉ० ज्योति, श्रीमती सीमा, श्रीमती विनीता व श्री अनूप कुमार सिंह का विशेष योगदान रहा। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन कार्यकम अधिकारी डॉ० नीलम सिंह व डॉ० चित्रलेखा के दीशा निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

सेवा संकल्प अभियान - झाड़ू लगाकर की सफाई

भदोही, (संवाददाता)। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस लाइन और विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में विशेष श्रमदान अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। लोगों ने झाड़ू लगाकर गंदगी की सफाई की। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अभियान में शामिल हुए। इस दौरान लोगों से अपने घर, कार्यस्थल एवं आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई।

स्कार्पियो ने दो भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौके पर मौत

प्रयागराज, (संवाददाता)। खीरी थाना क्षेत्र में सोमवार रात लेड़ियारी तुलसी मोड़ के पास एक बेकाबू स्कार्पियो ने दो भाइयों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे भाई ने इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

युवा पर्यटन क्लब ने जानी तुलसी और कबीर की संत परंपरा

वाराणसी, (संवाददाता)। पर्यटन सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को संत परंपरा विषय पर विशेष कथावाचन सत्र हुआ। यह सत्र युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों और पर्यटन उद्योग से जुड़े हितधारकों के लिए था। मुख्य वक्ता व्योमेश शुक्ला ने गोस्वामी तुलसीदास की संत परंपरा और रामचरितमानस पर प्रकाश डाला। कहा कि काशी का वास्तविक आकर्षण केवल इसके घाट और स्मारक नहीं, बल्कि यहां की जीवंत संत परंपरा और दार्शनिक विरासत भी है। उमेश कबीर ने संत कबीरदास की क्रांतिकारी विचारधारा और सामाजिक समरसता पर विचार साझा किए। भारत पर्यटन (वाराणसी), इंटैक वाराणसी चौप्टर, टूरिस्ट गाइड एसोसिएशन (टीजीए) और संत अतुलानंद रेजिडेंशियल अकादमी की ओर से आयोजित सत्र के मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त महानिदेशक व क्षेत्रीय निदेशक अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि वाराणसी में बुनियादी ढांचे और संपर्क में सुधार हुआ है। अब स्थानीय हितधारकों के कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता और सेवा गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। यह क्षमता निर्माण पर्यटकों की बढ़ती अपेक्षाएं पूरी करने और पर्यटन का आर्थिक लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचाने के लिए आवश्यक है। इंटैक वाराणसी चौप्टर के संयोजक अशोक कपूर और संत अतुलानंद रेजिडेंशियल अकादमी की निदेशक दिव्या सिंह ने भी विचार रखे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।